प्रमुख सचिव, जल संसाधन विभाग द्वारा सगड़ परियोजना विदिशा के कार्यों का निरीक्षण प्रतिवेदन दिनाँक 07.12.16

प्रमुख सचिव, जल संसाधन द्वारा सगड परियोजना विदिशा के कार्यों का दिनाँक 07.012.2016 को निरीक्षण किया गया, जिसके दौरान निम्न अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे :–

1. श्री राजीव कुमार सुकलीकर, अपर सचिव एवं आयुक्त, कमाण्ड क्षेत्र विकास, जल संसाधन विभाग।
2. श्री यू.सी. जैन, मुख्य अभियंता, चंबल बेतवा कछार, भोपाल।
3. श्री एन.एन. गॉधी, अधीक्षण यंत्री जल संसाधन मण्डल भोपाल।
4. श्री ई. नन्दकुमारम परियोजना संचालक, विश्व बैंक परियोजना भोपाल।
5. श्री वाय.आर. पाटील, परियोजना प्रशासक, केडवम भोपाल।
6. श्री मजहर खान, कार्यपालन यंत्री, गंज बासौदा
7. श्री विनोद कुमार जैन, कार्यपालन यंत्री, कमाण्ड क्षेत्र विकास भोपाल।
8. श्री आर.ए.एस. कौशिक, सहायक यंत्री, कार्यालय आयुक्त कमाण्ड क्षेत्र विकास, भोपाल।
9. श्री एम.एल. रायकवार, श्री आर.के. जैन, अनुविभागीय अधिकारी संबंधित उपयंत्री तथा जल उपभोक्ता संथा अध्यक्ष।

सर्वप्रथम सगड़ परियोजना के बाँध स्थल का निरीक्षण किया गया। बाँध स्थल पर Gantrycrane लगाई गई है, परन्तु अभी इसका परीक्षण मेसर्स अनिल स्टील वर्क्स, इन्दौर ठेकेदार द्वारा नहीं करवाया गया है। इसी प्रकार Stop log Gates के पार्टस बाँध स्थल पर रखे हुए हैं, परन्तु इन्हें बाँध के अपस्ट्रीम स्थित ग्रूव्स में नहीं लगाया गया है। निर्देश दिए गए कि ठेकेदार द्वारा इन कार्यों के समय सीमा में नहीं किए जाने की दशा में इनके विरूद्ध कार्यवाही करते हुए मुख्य अभियंता, विद्युत याँत्रिकी के माध्यम से समय सीमा तय करते हुए लगवाया जाना सुनिश्चित किया जावे। बाँध के स्पिल–वे पर भी लाईटिंग लगाया जाना सुनिश्चित करें एवं बाँध स्थल पर स्थित शासकीय आवास गृहों का तुरन्त कर्मचारियों को आवंटित किए जाएं, साथ ही गेटों की रबर सील भी ठीक करवाई जाए।

मुख्य अभियंता, चंबल बेतवा कछार, भोपाल सगड़ परियोजना के अन्तर्गत उनके शेष कार्यों को पूर्ण करने हेतु अधीनस्थ अधिकारियों के साथ गहन समीक्षा करते हुए समस्त कार्य गुणवत्ता पूर्वक समय सीमा निर्धारित करते हुए पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें।

बांध स्थल पर अनुविभागीय अधिकारी, श्री रायकवार से बाँध के नहर द्वार (स्लूस गेट) से छोड़े जाने वाले जल मात्रा का रजिस्टर चाहा गया, जो उनके द्वारा प्रस्तुत नहीं किया जा सका। जिस पर प्रमुख सचिव द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए तत्काल प्रभाव से उनकी तीन वेतनवृद्धियां रोकने हेतु "कारण बताओ सूचना" जारी करने के एवं नहर से छोड़े जाने वाले जल मात्रा का लेखा अपडेट संधारित करने के निर्देश दिए गए।

सगड़ परियोजना की नहरों से गत वर्ष सिंचित रकबे का रजिस्टर एवं अन्य अभिलेख श्री हरगोविन्द शर्मा (दैनिक वेतन भोगी अमीन) द्वारा प्रस्तुत किए गए। इस वर्ष के अभिलेख अभी तैयार नहीं किए गए है। मैदानी अधिकारियों को सॉफ्टवेयर तैयार कराकर राजस्व रिकार्ड, खसरा, जमाबंदी, देयक आदि को कम्प्यूटराइज्ड कराने एवं ऑनलाईन करने बाबद निर्देश भी दिए गए जिससे सिंचाई से संबंधित समस्त जानकारियों के संधारण आदि में आसानी हो सके।

बांध निरीक्षण के पश्चात मुख्य नहर के आर.एम–1 का निरीक्षण किया गया जो आर.डी. 4470 मी. से निकलती है। निरीक्षण दिनांक को इसमें 0.32 cumecs का जल प्रवाह हो रहा था। आर.एम.–1 की लंबाई 2145 मी. एवं इससे 290 हे. क्षेत्र में सिंचाई की जाना रूपांकित है। आर.एम.–1 हेतु मुख्य नहर में Head Regulator का गेट खराब था, जिसे तुरंत कार्यशील बनाने हेतु निर्देश दिए गए। इस नहर का पैदल भ्रमण किया जाकर की जा रही सिंचाई का निरीक्षण भी किया गया। इस नहर का क्षेत्र सतपाड़ा जल उपभोक्ता संथा के अन्तर्गत आता है, इस संथा के अध्यक्ष श्री समन्दरसिंह भी मौके पर उपस्थित थे। उनसे एवं उपस्थित स्थानीय कृषकों से सिंचाई के संबंध में भी चर्चा की गई और उनकी समस्याओं के निराकरण के संबंध में मौके पर अधिकारियों को निर्देश दिए गए। आर.एम.–1 के लगभग आर.डी. 300 मी. के दाहिनी ओर निकले पक्के वाटरकोर्स का निरीक्षण किया गया जो संतोषजनक था। यह कतिपय किसानों के विरोध के कारण अधूरा निर्मित होना बताया गया।

तत्पश्चात मुख्य नहर दांयी ओर आर.डी. 5700 मी. पर स्थित डायरेक्ट आउटलेट का निरीक्षण किया गया। इस आउटलेट से 21 हे. क्षेत्र में सिंचाई हेतु लगभग 630 मी. कांकीट फील्ड चेनल का निर्माण किया गया है। इसके पश्चात निरीक्षण के दौरान मुख्य नहर की आर.डी.–6675 मी. पर निर्मित पाइप एक्वाडक्ट की डाउनस्ट्रीम पर निर्मित काजवे क्षतिग्रस्त पाया गया, जिसके बावत् बताया गया कि यह इसी वर्षाकाल में अतिवर्षा के कारण क्षतिग्रस्त हुआ है। निर्देशित किया गया कि इसे दुरूस्त किया जाए, साथ ही पाइप एक्वाडक्ट के दोनों अबटमेंट से हो रहे लीकेज को रोकने के प्रबंध भी तुरंत किये जाए।

इसके पश्चात् परियोजना की मुख्य नहर के टेल क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। बांयी मुख्य नहर की आर.डी. 20880 मी. से निकली आर.एम.–8 के 2.70 कि.मी. से बलरामपुर नहर निकलती है, जिससे 1997 हेक्टयर में सिचाई होना बताया गया। बांयी मुख्य नहर के टेल से टेल माईनर का निर्माण किया गया है, जिसके 2 कि.मी. पश्चात् उकायला नहर प्रणाली का निर्माण किया गया है, इसका हेड डिस्चार्ज 1.30 Cumec तथा सी.सी.ए. 1937 हेक्टयर है।

वर्ष 2016–17 में 13000 हेक्टयर में सिंचाई की जाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसके विरूद्ध दिनांक 07.12.2016 तक 4800 हे. में सिंचाई की जाने बावत् जानकारी दी गई।

9/12/16
(राजीव कुमार सुकलीकर)
अपर सचिव
म.प्र. शासन, जल संसाधन विभाग

पृष्ठां.कं. 41 /अपर सचिव/पी.ए./2016 भोपाल, दिनांक 13 दिसम्बर, 2016

प्रतिलिपि–

1. प्रमुख सचिव, मध्यप्रदेश शासन, जल संसाधन विभाग, भोपाल
2. प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग, भोपाल
3. आयुक्त, कमाण्ड क्षेत्र विकास संचालनालय, जल संसाधन विभाग, भोपाल
4. मुख्य अभियंता, चंबल बेतवा कछार, जल संसाधन विभाग, भोपाल
5. मुख्य अभियंता, वि/यां, जल संसाधन विभाग, भोपाल
6. अधीक्षण यंत्री, जल संसाधन मंडल, भोपाल
7. कार्यपालन यंत्री, संजय सागर बाह परियोजना, जल संसाधन विभाग, गंज बासौदा
8. बेव मेनेजर, जल संसाधन विभाग, भोपाल

9/12/16
(राजीव कुमार सुकलीकर)
अपर सचिव
म.प्र. शासन, जल संसाधन विभाग